भारत सरकार

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 828

23 जुलाई, 2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

स्मार्ट शहरों में इंटीग्रेटेड कमांड और कंट्रोल सेंटर की भूमिका

828. श्री कामाख्या प्रसाद तासाः

क्या **आवासन और शहरी कार्य मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि सभी स्मार्ट शहरों में इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर्स (आईसीसीसी) की महत्वपूर्ण भूमिका है और यदि हां**,** तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है**;**

(ख) सभी स्मार्ट शहरों में इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर्स (आईसीसीसी) को क्रियाशील किए जाने की वर्तमान स्थिति क्या है**;**

(ग) शहरी चुनौतियों की वास्तविक समय की निगरानी और सक्रिय प्रबंधन के लिए इन आईसीसीसी का प्रभावी ढंग से उपयोग किस प्रकार किया जा रहा है**;** और

(घ) समग्र शहरी लचीलेपन और नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने के उद्देश्य से शहरी नियोजन तथा नीतिगत निर्णयों को जानकारी देने के लिए आईसीसीसी से प्राप्त विशिष्ट डेटा-ड्रिवन इनसाइट्स का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री

(श्री तोखन साहू)

(क) जी हाँ, एकीकृत कमान और नियंत्रण केंद्रों (आईसीसीसी) ने स्मार्ट सिटीज मिशन के कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ये केंद्र आवाजाही, जलापूर्ति, स्वच्छता, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, लोक सुरक्षा आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में वास्तविक समय पर निगरानी, डेटा आधारित निर्णय लेने और एकीकृत सेवा प्रदायगी को सक्षम बनाकर शहरी प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

(ख) स्मार्ट सिटीज मिशन के अंतर्गत, सभी 100 स्मार्ट सिटीज में एकीकृत कमान और नियंत्रण केंद्र (आईसीसीसी) परिचालन में लाए गए हैं। ये केंद्र आवाजाही, जलापूर्ति, स्वच्छता, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और लोक सुरक्षा आदि जैसे प्रमुख क्षेत्रों में वास्तविक समय पर निगरानी, डेटा-आधारित निर्णय लेने और एकीकृत सेवा प्रदायगी को सक्षम बनाकर शहरी प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

(ग) आईसीसीसी वास्तविक समय पर निगरानी, डेटा-आधारित निर्णय लेने और शहरी सेवाओं के सक्रिय प्रबंधन को सक्षम बनाकर शहर के संचालन के लिए मुख्य केंद्र के रूप में कार्य कर रहे हैं। ये केंद्र यातायात प्रबंधन, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, जलापूर्ति, स्ट्रीट लाइटिंग, लोक सुरक्षा और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणालियों जैसे विभिन्न शहरी क्षेत्रों से आकड़ों को एकीकृत करते हैं। आईसीसीसी का प्रभावी उपयोग यातायात और आवाजाही प्रबंधन, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, आपातकालीन एवं आपदा प्रतिक्रिया, नागरिक शिकायत निवारण, लोक सुरक्षा एवं निगरानी आदि जैसे प्रमुख क्षेत्रों में किया जा रहा है।

(घ) आईसीसीसी से प्राप्त डेटा-आधारित जानकारियों का उपयोग शहरी नियोजन और नीतिगत निर्णयों के लिए तेजी से किया जा रहा है, जिससे शहरों की चुनौतियों का सामना करने की क्षमता (लचीलापन) बढ़ रही है और नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार हो रहा है। इसके कुछ विशिष्ट उदाहरणों में यातायात प्रबंधन और नियमों के प्रवर्तन के लिए इंटेलिजेंट यातायात प्रबंधन प्रणाली (आईटीएमएस), स्वचालित नंबर प्लेट पहचान का उपयोग; ठोस अपशिष्ट के कुशल संग्रहण के लिए जीपीएस-आधारित मार्ग अनुकूलन; बेहतर लोक सुरक्षा के लिए चेहरा पहचान प्रणाली; और बड़ी भीड़ के प्रबंधन तथा नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भीड़ निगरानी प्रौद्योगिकियों का उपयोग शामिल है। ये उपकरण शहरी स्तर पर साक्ष्य-आधारित शासन को सक्षम बनाते हैं, परिचालन दक्षता में सुधार करते हैं और सक्रिय निर्णय लेने में सहायता करते हैं।

***